

पदों को देशनाबद्ध किया गया। भारतीय भाषाओं के समाचार-पत्रों की मदों को देशनाबद्ध नहीं किया गया।

†[THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING (SHRI SHAM NATH): During 1961-62 approximately 29,000 important items from English newspapers were indexed. No indexing was done in respect of items from Indian language newspapers.]

समाचारपत्र कतरन सेवा

१७०. श्री नवाबसिंह चौहान : क्या सूचना तथा प्रसारण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि समाचार पत्र कतरन सेवा द्वारा १९६१-६२ के वर्ष में समाचारपत्रों की कितनी कतरनों का वर्गीकृत अभिलेख तैयार किया गया और इनमें से (१) कितनी कतरनें अंग्रेजी के पत्रों से ली गई थीं और (२) कितनी भारतीय भाषा के पत्रों से ?

†[PRESS CLIPPING SERVICE

170. SHRI NAWAB SINGH CHAUHAN: Will the Minister of INFORMATION AND BROADCASTING be pleased to state what is the number of press clippings of which a classified record was prepared by the Press Clipping Service during the year 1961-62 and how many of these clippings were taken from (i) English newspapers and (ii) Indian language newspapers?]

सूचना तथा प्रसारण मंत्रालय में उपमंत्री (श्री शाम नाथ) : १९६१-६२ में अंग्रेजी समाचार पत्रों से ली गई लगभग ३,००,००० कतरनें रिकार्ड के लिये वर्गीकृत की गईं। हिन्दी को छोड़ कर अन्य भाषाई समाचार-पत्रों से कतरनों को नहीं लिया जाता। हिन्दी की कतरनों का कोई वर्गीकृत रिकार्ड नहीं रखा जा रहा है।

†[THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING (SHRI SHAM NATH): During 1961-62 approximately 3,00,000 press clippings extracted from English newspapers were classified for record. Press clippings from language newspapers except Hindi are not taken. A classified record of Hindi clippings is not yet being maintained.]

‘आजकल’ का अन्य प्रादेशिक भाषाओं में प्रकाशन

१७१. श्री नवाबसिंह चौहान : क्या सूचना तथा प्रसारण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या ‘आजकल’ पत्रिका को हिन्दी उर्दू के अतिरिक्त संविधान की आठवीं अनुसूची में उल्लिखित भाषाओं में भी निकालने का सरकार का इरादा है और

(ख) यदि उपरोक्त भाग (क) का उत्तर ‘ना’ हो तो इसके क्या कारण हैं और फिलहाल इन दो भाषाओं में इस पत्रिका के निकालने का आधार क्या है ?

†[PUBLICATION OF ‘AJKAL’ IN OTHER REGIONAL LANGUAGES

171. SHRI NAWAB SINGH CHAUHAN: Will the Minister of INFORMATION AND BROADCASTING be pleased to state:

(a) whether Government propose to publish the magazine ‘Ajkal’ in the languages enumerated in the Eighth Schedule of the Constitution apart from Hindi and Urdu; and

(b) if the answer to part (a) above be in the negative, what are the reasons therefor and what is the basis for publishing this magazine in these two languages at present?]

सूचना तथा प्रसारण मंत्रालय में उपमंत्री (श्री शाम नाथ) : (क) जी, नहीं।